दिनांक 29 मई, 2010 को कानपुर में मर्चेन्ट्स चैम्बर आफ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिये महामहिम श्री राज्यपाल का उद्बोधन।

—————————

देवियों और सज्जनों,

सम्माननीय स्वर्गीय श्री लाला कमलापत सिंहानिया की 125वीं जयन्ती के अवसर आज यहाँ आयोजित इस समारोह में आप सबके बीच आने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ। सबसे पहले मैं श्री लाला कमलापत सिंहानिया जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ।

उत्तर प्रदेश के इस नगर कानपुर को विश्व के औद्योगिक नगरों की श्रेणी में लाने का सारा श्रेय सिंहानिया जी को ही जाता

है। बिट्रिश हुकूमत में अंग्रेजी उद्यमियों से मुकाबला करना तो दूर उनके आस–पास फटकने की भी हिम्मत किसी में नहीं थी। ऐसे समय में दृढनिश्चयी, दूरदर्शी एवं राष्ट्रप्रेमी लाला कमलापत सिंहानिया ने उद्योग के क्षेत्र में अंग्रेजी उद्यमियों को कड़ी चुनौती दी। अंग्रेजी उद्यमियों के समानान्तर उद्योगों की श्रृंखला स्थापित करके उन्होंने दिखा दिया कि यदि व्यक्ति का उद्देश्य पवित्र हो तो कुछ भी असम्भव नहीं है।

स्वदेश प्रेमी सिंहानिया जी का लक्ष्य भारत का औद्योगीकरण, भारतीय पूंजी, भारतीय व्यवस्था और सबसे अधिक भारतीय तकनीकी ज्ञान के माध्यम से करने का था। उनका दृढ़ विश्वास था कि

औद्योगिक गतिविधियों में नये आयामों का परीक्षण करके नई योजनाओं को जिनके द्वारा उन उपकरणों का उत्पादन किया जाय, जिनका विदेशों से व्यावसायिक आयात किया जाता है।

देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में भी सिंहानिया जी ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी द्वारा चलाये गये आन्दोलन में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। वे जितने प्रखर राष्ट्र भक्त थे, उससे कहीं अधिक धर्म परायण भी थे।

लाला जी ने कानपुर में आधा दर्जन से अधिक विभिन्न उद्योगों की स्थापना करके जे0के0 समूह को कानपुर का पर्याय बनाकर रख दिया। लाला जी ने सन् 1932 में इस मर्चेन्ट्स चैम्बर की स्थापना

करके स्वदेशी उद्यमियों व व्यापारियों के हितों की हर स्तर पर पैरवी की जिसके सार्थक परिणाम सामने आये। आज भी इस चैम्बर से जुड़े प्रतिनिधि देश एवं प्रदेश की व्यवसायिक बैठकों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

किसी भी राज्य के औद्योगिक विकास में उद्योग संगठनों की महती भूमिका होती है। उत्तर प्रदेश एक विशाल राज्य है। सम्पूर्ण देश की लगभग 16.17 प्रतिशत जनसंख्या उत्तर प्रदेश में निवास करती है और इस दृष्टि से राज्य का देश में प्रथम स्थान है। भौगोलिक, सामाजिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विविधताओं एवं

विशेषताओं से युक्त इस विशाल राज्य का अपना एक विशिष्ट स्थान है।

वास्तविकता यह है कि प्रदेश का लगभग हर जिला किसी न किसी विशेष उत्पाद के लिए जाना जाता है। इसलिए निःसंकोच मैं यह कह सकता हूँ कि हमारे प्रदेश में उद्योगों के लिए पर्याप्त सम्भावनाएं हैं और प्राकृतिक सम्पदा भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इसलिए इन सम्भावनाओं को कार्यरूप देकर प्रदेश में विकास की गति को तेज किया जा सकता है।

प्रदेश में निवेश की आदर्श स्थितियों के सृजन के लिए अनेक नीतियों का निर्धारण किया गया है, जिनमें से औद्योगिक एवं सेवा

क्षेत्र निवेश नीति, हाईटेक टाउनशिप विकास नीति, जैव प्रौद्योगिकी नीति, खाद्य प्रसंस्करण नीति, ऊर्जा नीति, चीनी उद्योग प्रोत्साहन नीति आदि प्रमुख हैं। इन सभी नीतियों का लक्ष्य निजी क्षेत्र की सहभागिता को प्रोत्साहन देना है।

नये आर्थिक वातावरण में प्रदेश को देश से और देश को विश्व से जोड़कर विकास को गतिशीलता प्रदान करने की सम्भावनाएं हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के विकास की भी प्रदेश में व्यापक सम्भावनाएं निहित हैं। आवश्यकता इस बात की है कि उद्यमी समाज इनका लाभ लेकर उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने में सहयोग करें, ताकि यह प्रदेश आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके।

इस अवसर पर मैं आप सभी से यह अवश्य कहना चाहूँगा कि आर्थिक नीतियों के उदारीकरण का सीधा मतलब यह है कि हमारे उद्योगों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता वाले उत्पाद पर अधिक ध्यान देना होगा। इसके लिए उद्योगों को नया स्वरूप भी देने की जरूरत है। अतः उद्यमियों को अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में सफल होने के लिये चिन्तन करना होगा। बीमार एवं बंद पड़े प्रतिष्ठानों के बारे में भी हमें सोचना होगा।

आज यहाँ सम्मानित श्री जय प्रकाश जी गौर, चेयरमैन, जेपी ग्रुप, श्री श्रीप्रकाश जी जायसवाल, केन्द्रीय राज्य मंत्री, कोयला, साख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन, श्री महेन्द्र मोहन जी गुप्ता,

सी0एम0डी0, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, श्री वाई0पी0 सिंहानिया, प्रबन्ध निदेशक, जे0के0 ग्रुप एवं पद्‌मश्री इरशाद मिर्जा जी, सी0एम0डी0 मिर्जा इण्टरनेशनल लिमिटेड को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। योग्य लोगों को सम्मानित कर उन्हें गौरव प्रदान करना श्रेष्ठ सामाजिकता का निर्वाह करने के समान हैं। यह प्रयास सकारात्मक दृष्टिकोण से परिपूर्ण है और प्रशंसनीय है। वास्तव में इस प्रकार के सम्मान से योग्य लोगों को सम्मानित करने से दोहरा लाभ प्राप्त होता है। एक तो जिनको सम्मान मिलता है, उनको और अच्छा कार्य लगनपूर्वक करने की प्रेरणा मिलती है, दूसरे जिन लोगों को भी इस

प्रकार के सम्मान की जानकारी प्राप्त होती है, उनको जीवन में कुछ उत्कृष्ट करने की प्रेरणा मिलती है।

अंत में मैं पुनः स्वर्गीय श्री लाला कमलापत सिंहानिया जी का स्मरण करते हुए आप सभी लोगों से इतना अवश्य कहना चाहूँगा कि आप सभी सिंहानिया जी के सपनों को साकार करने में कोई कसर उठा नहीं रखेंगे।

धन्यवाद–नमस्कार।